



Dear Parents

Our nation is celebrating the 75th anniversary of India's Independence. To commemorate this, a series of events under *Azadi Ka Amrit Mahotsav* is planned by the Government of India.



As part of the year long celebrations, GIIS, Uppal Campus is excited to share the much appreciated active participation of the students.

We congratulate all the participants for their participation.

"They may kill me
but they
cannot kill my
Ideas

They can crush my
body but they
will not be able
to crush my
spirit!"

"अम ही समाज का
वास्तविक निर्वाहक है!"

The deaf are to hear,
their sound has to be
very loud!

"I am a man and
all that affects
material
concerns me!"

Shravanaditya 6G



V
A
N
D
E

Mataran!

हिंदी हमारी पहचान, हमारा गर्व।

हिंदी दिवस की हार्दिक बधाई

नाम: पी. भव्याश्री

कक्षा: IV D

स्वतंत्रता संग्राम की घटना
पर पोस्टर

जलियांवाला बाग नरसंहार

: प्राणघातक हादसा

जलियांवाला बाग नरसंहार निर्दोष भारतीयों की
सामूहिक हत्या है।

यह घटना 13 अप्रैल, 1919 को पंजाब राज्य के अमृतसर
के केंद्र में स्थित जलियांवाला बाग में हुई थी।

जलियांवाला बाग नरसंहार का दिन भारत के इतिहास
का सबसे दुःखद दिन था।

यह भारत में ब्रिटिश शासन के सबसे बुरे चेहरे को दिखता
है जो शायद सबसे क्रूर भी था।

इसे रेजिनाल्ड डायर नाम से महाद्वर ब्रिटिश ब्रिगेडियर
जनरल द्वारा पूर्व निर्धारित किया गया था।

यह दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का सबसे काला दिन माना
जाता है।





Name: G. Chasitha
 class/sec: IV E
 Roll no: 11
 Enroll: 181010227

1) इंडिया गेट भारत का एक राष्ट्रीय स्मारक है। इंडिया गेट 1921 में बनाया गया है। यह राजपथ, नई दिल्ली में स्थित है। इसकी ऊंचाई 42 मीटर और व्यास 625 मीटर है। इंडिया गेट को फ्रांसीसी नृत्यिंस द्वारा डिजाइन किया गया था। इंडिया गेट स्मारक के ऊपर दोनों तरफ इंडिया लिखा हुआ है। प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह स्मारक बनाया गया था।

14 सितम्बर 2021.

छटी



दिवस

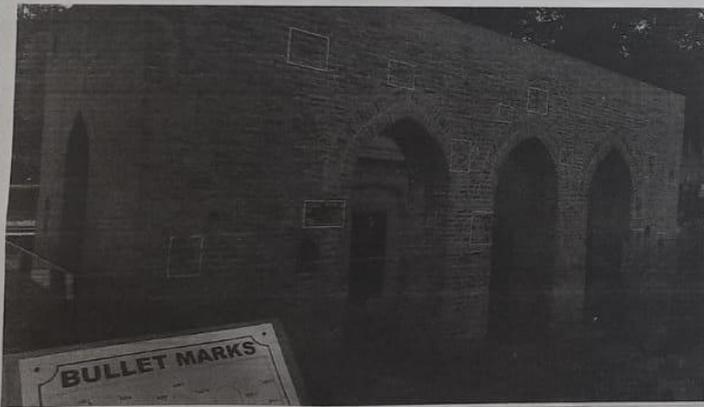
शक्रिका नारायण दुर्गारत्ना
 "2" कक्षा
 201010229



दाडी मार्य
 डकियाका साम्राज्य दिना, उरुकी भरनामक उठाने से
 सिंहासन उगमगा उठा, गांधी के पैदल चलने से

Chakrika Narayani Durgarata

हिंदी दिवस
जलियाँवाला बाग



भारत के इतिहास से जुड़ी हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, जो कि साल 1919 में घटी थी। देश की आजादी के लिए चल रहे आंदोलनों को रोकने के लिए इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। लेकिन इस हत्याकांड के बाद हमारे देश के क्रान्तिकारियों के हौसले और मजबूत हो गए थे।

भारत के पंजाब में अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 को यह घटना घटी थी जिसमें 370 से अधिक लोगों की जान गई और 1000 से अधिक लोगों घायल हुए थे।

जलियाँवाला बाग हत्याकांड कमेटी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया था, कि पंजाब में ब्रिटिश शासन को खत्म करने की कोई सजािश नहीं की जा रही थी। इस रिपोर्ट के अज्ञे के बाद 23 मार्च 1920 को कांग्रेस को दोषी पात हुए उन्हें सेवानिवृत्त कर दिया गया था।

